आय का प्रबंधन

पाठ सं	पाठ का नाम	कौशल	गतिविधि
16	आय का प्रबंधन	स्व-जागरुकता तथा सहानुभूति समालोचनात्मक चिंतन तथा सृजनात्मक चिंतन समस्या समाधान तथा निर्णय लेना तनाव से निपटना तथा भावात्मकता से निपटना	पारिवारिक आय का महत्व तथा बजट का महत्व

सारांश

एक मनुष्य की मौलिक आवश्यकताओं और आराम व विलासिता को पूरा करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अर्जित धन को **आय** कहते हैं।

पारिवारिक आय से तात्पर्य सभी स्रोतों से प्राप्त होने वाली आय से है जैसे परिवार के सदस्यों की आय, किराया, बैंकों से प्राप्त ब्याज, परिवार के सदस्यों के कौशलों का प्रयोग करके होने वाली बचत आदि। इस पारिवारिक आय को परिवार के व्ययों के विभिन्न शीर्षों में विभाजित तथा व्यय किया जाता है जैसे भोजन, कपड़ा, आवासन आदि। भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ राशि को अलग से बचत के रुप में रख लिया जाता है। **धन एक सीमित स्रोत है** और इसलिए इसका प्रबंधन सावधानपूर्वक किया जाना चाहिए। परिवार में आने वाली आय के एक भाग को भावी आवश्यकताओं के लिए अलग रख लिया जाता है।

बचत वह राशि है जिसे परिवार द्वारा अपनी भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अलग से रख दिया जाता है।

व्यय वह राशि है जिसका प्रयोग अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च किया जाता है जैसे भोजन तथा परिवहन पर खर्च किया गया धन। व्यय योजना या बजट, धन के उचित उपयोग के लिए तैयार एक योजना है। मूलरुप से यह परिवार की सभी आय तथा व्यय का लेखाजोखा है ताकि इन दोनों में संतुलन बनाया जा सके। व्यय योजना प्रत्येक परिवार द्वारा व्यक्तिगत रुप से बनाई जानी चाहिए क्योंकि प्रत्येक परिवार की आय और व्यय अन्य परिवारों से भिन्न होती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि खर्च व्यय योजना के अनुसार है, खर्चों का ब्यौरा रखे जाने की आवश्यकता है।

प्रमुख बिन्दु

अच्छे बजट की आवश्यकताएं

एक अच्छा बजटः

- आय और व्यय का सटीक अनुमान तैयार करता है ताकि यह व्यवहारिक हो।
- भावी आवश्यकताओं का सही अनुमान लगा सकता है जैसे त्यौहार के महीने मे अधिक व्यय का अनुमान और
- लचीला होता है ताकि अप्रत्याशित व्ययों की व्यवस्था की जा सके।

अपने ज्ञान का निर्माण करें

ध्यान रखें, आपको अपने स्वयं की व्यय योजना तैयार करनी चाहिए। आप उस योजना का प्रयोग नहीं कर सकते हो जो आपका मित्र अपने परिवार के लिए तैयार करता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि परिवार द्वारा विभिन्न मदों पर खर्च की जानी वाली राशि निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करती हैः

- आय
- परिवार का आकार
- परिवार के सदस्यों की आयु
- आवास का स्थान
- परिवार के सदस्यों के कौशल
- बचत- जो परिवार के सदस्य करना चाहते हैं।

इन बिंदुओं को ध्यान में रखें और अपने व्ययों की तुलना अपने मित्र के व्ययों से करें और इन दोनों के अंतर को समझें।

क्या जानना महत्वपूर्ण है?

व्यय योजना क्या है?

एक व्यय योजनाः

- धन को खर्च करने का नियोजित दृष्टिकोण है।
- आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रत्येक मद हेतु आबंटित राशि से परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं की सूची
- परिवार की कुल आय पर आधारित है। यह परिवार को अपनी आय के भीतर जीवन जीने तथा भविष्य की आवश्यकताओं और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए धन की बचत में भी सहायक होता है।
- जब एक व्यय योजना बनाई जाती हैः
  - o आय व्यय से अधिक होती है(भावी आवश्यकताओं के लिए बचत होती है)।
  - o इस प्रकार व्यय योजना से संभव है -

आय = व्यय + बचत (परिवार के लिए आदर्श)

- **जब एक व्यय योजना नहीं बनाई जाती है तो :**
  - o आय व्यय के समान होती है (भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान नहीं रखा जा सकता है)
  - o आय व्यय से कम होती है (परिवार को ऋण की आवश्यकता होती है)

अपने ज्ञान का विस्तार करें

भोजन पर व्यय को कम करने के लिए अपने मित्र को कुछ सलाह प्रदान करें।

स्व-मूल्यांकन करें

1. मुकेश के बच्चे किशोरावस्था में प्रवेश कर रहे हैं। आपके अनुसार मुकेश के परिवार में कौन से व्यय बढ़ने वाले हैं?
2. अनीता ने अपना रेस्तरां खोला है। वह निम्नलिखित के लिए अपने कौशलों का प्रयोग किस प्रकार कर सकती हैः
   (क). आय में वृद्धि
   (ख). बचतों में वृद्धि

क्या आप जानते हैं?

व्यय योजना किस प्रकार बनाएं?

अपनी व्यय योजना को बनाने के लिए निम्नलिखित चरणों का प्रयोग करेंः

1. **सभी आय और सुविधाओं को ध्यान में रखें**, उस अवधि के लिए जिसके लिए व्यय योजना बनानी है।
2. **निम्नलिखित को जोड़ कर कुल आय का पता लगाएंः**
   क. परिवार के सभी सदस्यों की आय, किराया आदि और
   ख. परिवार को उपलब्ध सभी सुविधाएं जैसे व्यक्तिगत भत्ता, यात्रा भत्ता।
3. निम्नलिखित की दृष्टि से परिवार की सभी आवश्यकताओं की सूची बनाएंः
   क. वस्तुएं - भोजन, कपड़े
   ख. सेवाएं - बिजली, पानी
4. इन आवश्यकताओं की प्राथमिकता निर्धारित करेंः ये निर्णय आपकी कुल आय तथा जीवन के आपके लक्ष्यों पर आधारित होंगे।
5. निधियों का आवंटन करें। कुल आय को ध्यान में रखते हुए व्यय की सभी मदों की सूची तैयार करें और उनमें से प्रत्येक के लिए राशि आवंटित करें। कुल राशि का कुछ भाग बचत के लिए भी रखें। यह सलाह दी जाती है कि कुल आय के 10% से अधिक बचत के लिए रखा जाना चाहिए।
6. व्यय योजना को संतुलित बनाएंः यहां योजना का मुख्य उद्देश्य व्यय को आय से कम बनाना है। इस उद्देश्य को दो रुपों से प्राप्त किया जा सकता हैः

क. आय में वृद्धि करने का प्रयास करें - ऐसा आपके पास उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम प्रयोग द्वारा किया जा सकता है।

ख. व्ययों को कम करें - जन परिवहन का प्रयोग करके, घर के कामों को स्वयं करके।

अपने अंकों को अधिकतम बनाएं

जब आप व्यय योजना तैयार करते हैं तोः

- बाजार दरों का सर्वेक्षण करें ताकि आप सही अनुमान लगा सकें और मूल्यों की तुलना कर सकें।
- परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं का निर्धारण करने के लिए उनसे बातें करें।
- सर्वोत्तम परिणामों के लिए बजट की विशेषताओं का विस्तारपूर्वक अध्ययन करें।